संविधान

डॉ. अवनीश भाई पटेल
सहायक प्राध्यापक,
एलायंस स्कूल ऑफ़ लिबरल आर्ट्स,
एलायंस युनीवर्सिटी, बेंगलुरु (भारत)
avanish.patel@alliance.edu.in

मैं भारत का गणतंत्र हूँ, नाम है मेरा संविधान।
मेरे जन्मदाता हैं, बाबा साहेब भीमराव महान।
संसद मेरा ह्रदय है, राष्ट्रपति करते मेरा गुणगान।
मैं मजलूमों का, हर पल करता आया हूँ उत्थान।। (1)

मैं आजादी का मंथन हूँ, मैं बलिदानों का चन्दन हूँ।
मैं अधिकारों का प्रण हूँ, मैं सामाजिक न्याय का गुण हूँ।
मैं संप्रभुता का उद्बोधन हूँ, मैं लोकतंत्र का अभिनंदन हूँ।
मेरे आदर्शों की रेखा से, बनता भारत भव्य महान।। (2)

प्रस्तावना है मेरी आत्मा, मौलिक अधिकारों में है तन।
गाँव, शहर, सारे प्रदेशों का, बसता है मुझमें मन।
विविध जाति, भाषा, रंग लाते मुझमें अपनापन।
मैं समता का पालनकर्ता, शिक्षा का करता सम्मान।। (3)

धर्म कर्म का अधिकार दिया, जीने का भी सार दिया।
भेदभाव को तोड़ दिया, शोषण को भी कमजोर किया।
नीतिनिदेशों से कल्याण किया, कर्तव्यों से भी मूल्य दिया।
मेरे संस्कारों में बसता है, मेरा भारत देश महान ।। (4)